'उदयपुर शहर के विकास को पूरा करने में डबल इंजन सरकार की बड़ी भूमिका'

स्वच्छता, झील संरक्षण, पर्यटन और नागरिक सुविधाओं से पूर्ण उदयपुर के विजन को साकार करने में जुटे महापौर पारस सिंघवी

जयपुर/उदयपुर। ऐतिहासिक झीलों की नगरी उदयपुर केवल एक शहर नहीं बल्कि मेवाड़ की गौरवशाली विरासत, महाराणा प्रताप की वीरता, महाराणा उदयसिंह की दूरदर्शिता और हमारी समृद्ध संस्कृति का प्रतीक है। हमारा दायित्व केवल सड़कों, नालियों और भवनों का निर्माण करना नहीं है। बल्कि इस ऐतिहासिक शहर की आत्मा को सुरक्षित रखते हुए इसे आधुनिक सुविधाओं से युक्त, स्वच्छ, सुंदर, व्यवस्थित और नागरिकों के लिए सुविधाजनक बनाना है। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में हमारा स्पष्ट लक्ष्य है- विकसित उदयपुर, श्रेष्ठ उदयपुर।



सीएम भजनलाल शर्मा

- एलिवेटेड रोड, खुले और चौड़े हाईवे एवं स्मार्ट मोबिलिटी कार्यों से शहरी परिवहन को मजबूती देने की पहल

उदयपुर के नवनिर्वाचित महापौर पारस सिंघवी ने अपने विजन को स्पष्ट करते हुए बताया कि इस ऐतिहासिक शहर का विकास उसकी मूल पहचान को सुरक्षित रखते हुए होना चाहिए। उनका मानना है कि विकास का उद्देश्य केवल भौतिक संसाधनों का विस्तार नहीं बल्कि नागरिकों के जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाना भी है। महापौर का यह विजन शहर की सात प्रमुख प्राथमिकताओं-स्वच्छता, झीलों का संरक्षण, बेहतर सड़क एवं यातायात व्यवस्था, प्रत्येक वार्ड का संतुलित विकास, व्यापार और पर्यटन को प्रोत्साहन, जवाबदेह नगर निगम तथा जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता पर आधारित है। इन प्राथमिकताओं में सड़क नेटवर्क और आधुनिक परिवहन व्यवस्था की भूमिका विशेष महत्वपूर्ण है, क्योंकि बेहतर कनेक्टिविटी का सीधा संबंध नागरिकों के दैनिक आवागमन से लेकर पर्यटन, व्यापार और रोजगार तक है।

शहर के विकास के इस लक्ष्य को पूरा करने में डबल इंजन सरकार की बड़ी भूमिका निभा रही है। स्मार्ट सिटी, मिशन अमृत 2.0 और स्वच्छ भारत मिशन - शहरी 2.0 जैसी परियोजनाएं उदयपुर की विकास यात्रा को आगे बढ़ा रही है। पीएम ई-बस सेवा में शहर में प्रदूषणमुक्त और अत्याधुनिक सुविधा, तकनीक से लैस 50 इलेक्ट्रिक बस संचालन करने से यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी, समय की बचत होगी, यातायात प्रबंधन सुगम होगा। सिंघवी ने अगले 100 दिन, छह माह, एक वर्ष और पूरे पांच वर्ष के कार्यकाल की प्राथमिकताओं का खाका प्रस्तुत किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निगम की कार्यशैली का मूल मंत्र सेवा, सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही होगा।

उदयपुर में स्थानीय नागरिकों के दैनिक आवागमन के साथ पर्यटकों और व्यापारिक वाहनों का दबाव भी रहता है। ऐसे में वर्तमान यातायात चुनौतियों का समाधान करने के साथ भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर परिवहन अवसंरचना विकसित करना आवश्यक है। इसी दिशा में एलिवेटेड रोड, हाईवे चौड़ीकरण, बाईपास, लिंक रोड और स्मार्ट मोबिलिटी से जुड़े कार्य शहर के विकास की महत्वपूर्ण कड़ी बन रहे हैं। शहर के भीतर यातायात सुधार के साथ बाहरी मार्गों की क्षमता बढ़ाना भी जरूरी है। प्रतापनगर से बलिचा के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग-8 के लगभग 11.5 किलोमीटर लंबे हिस्से के चौड़ीकरण का कार्य प्रमुखता से आगे बढ़ाया गया है। उपलब्ध विकास विवरण के अनुसार, उदयपुर में स्मार्ट मोबिलिटी के लिए 272.32 करोड़ रुपये के नए विकास कार्य प्रस्तावित हैं। इनमें शहरी परिवहन एवं मोबिलिटी में सुधार, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को मजबूत करने, सड़क सुदृढ़ीकरण तथा नए मार्गों के विकास जैसे कार्य शामिल हैं।

महापौर सिंघवी ने व्यापार, पर्यटन और रोजगार को प्रोत्साहन देने को अपनी सात प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल किया है। महापौर ने झीलों के संरक्षण, जल प्रदूषण की रोकथाम, सीवेज प्रबंधन, जलग्रहण क्षेत्रों की सुरक्षा और हरित क्षेत्र के विस्तार को प्राथमिकता देने की बात कही है। इसके लिए संबंधित विभागों के बीच समन्वय आवश्यक होगा, ताकि विकास कार्यों के साथ प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके। इसी प्रकार स्वच्छता को केवल नियमित प्रशासनिक कार्य के बजाय जनभागीदारी से जुड़े अभियान के रूप में विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। सिंघवी ने प्रत्येक वार्ड का संतुलित विकास सुनिश्चित करने को प्राथमिकता दी है। इसके लिए पार्षदों से वार्डवार विकास कार्यों की सूची तैयार करने, उनकी प्राथमिकता निर्धारित करने और उपलब्ध बजट के अनुसार कार्यों को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया है। महापौर ने शिकायतों के पंजीकरण, उनकी स्थिति की जानकारी और निर्धारित समय में समाधान की व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर जोर दिया है।

सिंघवी की परिकल्पना ऐसा उदयपुर तैयार करने की है, जहां स्वच्छता नागरिक जीवन का हिस्सा हो, झीलें और प्राकृतिक विरासत सुरक्षित रहें, सड़कें एवं प्रकाश व्यवस्था बेहतर हों, व्यापारियों को व्यवस्थित बाजार मिलें और पर्यटकों को सुविधाजनक अनुभव प्राप्त हो। साथ ही नगर निगम नागरिकों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील और जवाबदेह बने।

मालगाड़ियों की रफ्तार में जोधपुर मंडल ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा

जोधपुर, (कासं)। मालगाड़ियों की रफ्तार बढ़ाने के मामले में उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। बेहतर परिचालन प्रबंधन और मजबूत विभागीय समन्वय के दम पर मंडल ने बुधवार को मालगाड़ियों की औसत गति 34.40 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की। यह जोधपुर मंडल का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस उपलब्धि के साथ मंडल ने भारतीय रेलवे के सभी मंडलों में दूसरा स्थान हासिल किया। पहले स्थान पर मदुरै मंडल रहा, जहां मालगाड़ियों की औसत गति 46.50 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई।

- जोधपुर मंडल देश में बना नंबर-2, भारतीय रेलवे के मंडलों में मदुरै के बाद दूसरा स्थान

मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के अनुसार यह उपलब्धि सुनियोजित परिचालन, बेहतर कार्य प्रबंधन और विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी तालमेल का परिणाम है। मालगाड़ियों के संचालन में समय की बचत और उपलब्ध रेल संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। परिचालन गतिविधियों की नियमित निगरानी और अधिकारियों-कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों से मंडल ने अपना पिछला रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया है।

डीआरएम ने कहा कि मालगाड़ियों की औसत गति में यह बढ़ोतरी रेलवे की माल ढुलाई व्यवस्था को अधिक सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। तेज गति से माल परिवहन होने पर वस्तुओं को गंतव्य तक पहुंचाने में लगने वाला समय कम होता है। इससे रेल नेटवर्क की क्षमता का बेहतर उपयोग करने और मालगाड़ियों के परिचालन को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि जोधपुर मंडल का यह प्रदर्शन बेहतर योजना, सतत निगरानी और टीमवर्क की सफलता को दर्शाता है। मंडल अब इस उपलब्धि को बरकरार रखते हुए माल परिवहन को और अधिक तेज, सुरक्षित एवं समयबद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है।

जोधपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक लोकेश कुमार सिंह ने बताया कि मालगाड़ियों की औसत गति में सुधार के लिए परिचालन व्यवस्था को लगातार बेहतर बनाया जा रहा है। इसके तहत ट्रेनों की आवाजाही की प्रभावी निगरानी, समयबद्ध संचालन और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस गति को बनाए रखने और माल परिवहन को अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाने के प्रयास जारी रहेंगे।

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में ट्रैकिंग के दौरान घायल वॉलंटियर की मौत

बूंदी, (निसं)। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में बुधवार को रूटीन ट्रैकिंग के दौरान वाहन से नीचे गिरकर घायल हुए वॉलंटियर कमल बैरवा की उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद उन्हें गंभीर हालत में बूंदी जिला अस्पताल लाया गया था, जहां प्राथमिक उपचार के बाद कोटा रेफर कर दिया गया।

रेंजर मुकेश मीणा ने बताया कि वन विभाग का वाहन कार्यालय से रामगढ़ की ओर रूटीन ट्रेकिंग के लिए जा रहा था। इसी दौरान फोखानाडा के पास ट्रेकिंग के दौरान वाहन में सवार तलवास देवपुरा निवासी वॉलंटियर कमल बैरवा नीचे गिरकर घायल हो गया। साथ मौजूद शैतान मीणा ने गिरने का कारण पूछा तो कमल ने चक्कर आने के कारण नीचे गिरने की बात बताई। घटना की सूचना कर्मचारियों ने रेंजर मुकेश मीणा को दी। इसके बाद रेंजर घायल कमल को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए कोटा रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

'बाहर से आकर बसे व्यक्ति को राजस्थान में सरकारी नौकरी में आरक्षण नहीं'

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने कहा है कि दूसरे राज्य के आरक्षित वर्ग से राजस्थान आकर बसे व्यक्ति को यहां सरकारी नौकरी में आरक्षण नहीं मिलेगा। ऐसे उम्मीदवारों को सामान्य श्रेणी में माना जाएगा।

- राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने कहा है कि दूसरे राज्य के आरक्षित वर्ग से राजस्थान आकर बसे ऐसे उम्मीदवारों को सामान्य श्रेणी में माना जाएगा

जस्टिस विनीत कुमार माथुर और जस्टिस चंद्र शेखर शर्मा की खंडपीठ ने बारिया शर्मिष्ठा बेन की विशेष अपील खारिज कर दी। बारिया शर्मिष्ठा बेन मूल रूप से गुजरात की रहने वाली हैं। वे वहां अनुसूचित जनजाति वर्ग में आती हैं। शादी के बाद वे राजस्थान आकर बस गईं। उन्होंने राजस्थान में नर्सिंग ऑफिसर पद के लिए आवेदन किया और एसटी श्रेणी में आरक्षण मांगा था। राज्य सरकार ने विज्ञापन की शर्तों और नियमों का हवाला देते हुए उन्हें एसटी श्रेणी में मानने से इनकार कर दिया। उनकी उम्मीदवारी सामान्य श्रेणी में रखी गई। इसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट की एकल पीठ में याचिका दायर की थी। 23 सितंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट के 'रंजना कुमारी बनाम उत्तराखंड राज्य' मामले के फैसले के आधार पर याचिका खारिज कर दी गई। इसके बाद उन्होंने खंडपीठ में अपील की। सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने 'मरी चंद्र शेखर राव' और 'एक्शन कमेटी ऑन द इशू ऑफ कास्ट सर्टिफिकेट' मामलों में सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला दिया।

खंडपीठ ने कहा कि अलग-अलग राज्यों में सामाजिक कठिनाइयों और पिछड़ेपन के पैमाने अलग होते हैं। इसलिए एक राज्य की सूची में शामिल जाति को दूसरे राज्य में अपने आप आरक्षण का लाभ नहीं मिल सकता। अदालत ने अपील खारिज कर दी।

चुनाव जीत के जश्न में एयरगन लहराई

राजसमंद, (निसं)। वार्ड पंच चुनाव में जीत के जश्न के दौरान एयरगन लहराने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राजसमंद पुलिस ने युवक को एयरगन सहित गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार राजसमंद पुलिस की सोशल मीडिया सेल के संज्ञान में एक वीडियो आया, जिसमें वार्ड पंच चुनाव में जीत के जश्न के दौरान एक युवक एयरगन लहराता हुआ दिखाई दे रहा था। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वीडियो में दिखाई दे रहे युवक की पहचान चेतन सिंह पुत्र मदन सिंह रावत के रूप में की। पुलिस ने आरोपी को एयरगन सहित दस्तयाब किया।

डॉ. जसवंत यादव के निधन पर कर्नाटक की राज्यपाल और सतीश पूनिया ने शोक जताया

अलवर, (निसं)। पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. जसवंत यादव के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए कर्नाटक की राज्यपाल सुधा यादव और भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश पूनिया, पंचायती राज विभाग मंत्री मदन दिलावर बुधवार को उनके अलवर स्थित निवास पर पहुंचे। सभी ने डॉ. जसवंत यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। इस दौरान कर्नाटक की राज्यपाल सुधा यादव ने डॉ. जसवंत यादव के साथ अपने राजनीतिक अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि जब वह पहली बार सांसद बनी थीं, उस समय डॉ. जसवंत यादव भी सांसद थे। उनके साथ काम करने का अवसर मिला और उनके अनुभवों से काफी कुछ सीखने को मिला। उन्होंने बताया कि डॉ. जसवंत यादव ने उन्हें जनप्रतिनिधि के रूप में काम करने और जनता के बीच रहकर उनकी सेवा करने का तरीका सिखाया।

सुधा यादव ने कहा कि डॉ. जसवंत यादव एक दमदार नेता थे। उनका इस तरह चले जाना पूरे क्षेत्र, समाज और कम्युनिटी के लिए बहुत बड़ी क्षति है। उनके निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में एक बड़ा खालीपन पैदा हुआ है। उन्होंने डॉ. जसवंत यादव के पुत्र मोहित यादव को अपने पिता के पदचिह्नों पर चलते हुए उनके सपनों को पूरा करने तथा जनता के बीच रहकर क्षेत्र के विकास और जनसेवा के लिए काम करने की बात कही।

वहीं, भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश पूनिया ने कहा कि डॉ. जसवंत यादव से उनका केवल पार्टी के स्तर पर ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत रूप से भी गहरा जुड़ाव रहा। उनके साथ लंबे समय तक राजनीतिक और संगठनात्मक संबंध रहे। उन्होंने कहा कि जसवंत यादव ने जीवन में कई कठिन परिस्थितियों का सामना किया। वह बीमारी से भी लड़े और विपरीत परिस्थितियों में भी मजबूती के साथ खड़े रहे। सतीश पूनिया ने कहा कि डॉ. जसवंत यादव का व्यक्तित्व और उनका राजनीतिक जीवन पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायक रहा है। वह ऐसे राजनीतिक कार्यकर्ता और नेता थे, जिन्हें एक आइकॉन के रूप में देखा जा सकता है। उनका संघर्ष, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा हमेशा याद रखी जाएगी।

दोनों नेताओं ने कहा कि डॉ. जसवंत यादव का योगदान और उनकी जनसेवा के प्रति समर्पण हमेशा याद रखा जाएगा। उनका निधन भाजपा परिवार और पूरे क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके विचार और कार्यशैली आने वाली पीढ़ियों तथा पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रेरणा देते रहेंगे।

इस दौरान थानागाजी विधायक कांति प्रसाद मीणा, पूर्व विधायक जयराम जाटव, बनवारी लाल सिंघल एवं ज्ञानदेव आहूजा, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने भी दिवंगत डॉ. जसवंत सिंह यादव को श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभानी श्रद्धांजलि अर्पित की।

चेन स्नैचिंग की वारदात का खुलासा

भीलवाड़ा, (निसं)। सुभाषनगर थाना क्षेत्र में वृद्ध महिला से हुई चैन स्नैचिंग की वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने पवन राव (20) पिता रतनलाल राव को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है।

जानकारी के अनुसार सुभाषनगर निवासी 60 वर्षीय प्रेम देवी पत्नी स्व. भंवरलाल रेगर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 4 नवंबर को शाम करीब 4:45 बजे वह अपनी बहू के साथ स्कूटी से मार्केट से घर लौट रही थीं। इसी दौरान आरसी व्यास कॉलोनी से सुभाषनगर की ओर जाते समय पीछे से बाइक पर आए दो अज्ञात बदमाशों ने झपट्टा मारकर उनके गले से 5 ग्राम का लॉकेट और 17 ग्राम सोने की चेन तोड़ ली और फरार हो गए। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के आदेशानुसार सुभाषनगर थानाधिकारी कैलाश कुमार विश्नोई की टीम का गठन किया गया।

सीकर में धनतेरस पर सोने की लूट करने वाले आरोपी और चार दोस्तों को जेल भेजा

सीकर, (निसं)। सीकर शहर में धनतेरस पर ज्वैलर पिता की दुकान के कारीगर से सोने की लूट करने वाले आरोपी बेटे, उसके चार दोस्तों को कोर्ट ने बुधवार को जेल भेज दिया। पुलिस ने आरोपियों के निशानदेही पर रैकी में काम ली गई बाइक और वारदात में काम में ली गई किराए की गाड़ी भी बरामद कर ली है।

- ज्वैलर पिता की दुकान के कारीगर से सोने की लूट करने का मामला

जानकारी के अनुसार सीकर में 6 नवंबर की रात धोद रोड पर यह वारदात हुई थी। ज्वैलर इंद्रचंद सोने की दुकान पर काम करने वाला बंगाली कारीगर असमत अली अपनी स्कूटी की डिक्की में लाखों रुपए का सोना लेकर घर पर जा रहा था। इसी दौरान उनके साथ स्विफ्ट गाड़ी में आए नकाबपोश बदमाशों ने लूट की। कोतवाली पुलिस ने 24 घंटे में सभी 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। घटना का मास्टरमाइंड इंद्रचंद सोनी का बेटा मोहित सोनी निकला। पिता की दुकान पर काम करने वाले बंगाली कारीगर असमत से गोल्ड लूटने की फिराक में मोहित 3 महीने से था। धनतेरस के दिन उसे पता था कि कारीगर के पास ज्यादा सोना है, इसलिए पहले दोस्त शक्ति से रैकी करवाई। इसके बाद अपने दोस्त सौरभ, जयकांत, प्रियांशु के साथ लूट की वारदात की थी।

आरोपियों ने वारदात करने के लिए जयपुर रोड पर किराए की गाड़ी ली। घटना में शामिल शक्ति सोनी ने अपने चाचा की बाइक से रैकी की थी। दोनों वाहनों को पुलिस ने बरामद कर लिया है। साथ ही लूटा हुआ सोना भी बरामद कर लिया। आरोपियों को 8 नवंबर को पुलिस ने कोर्ट में पेश करके 3 दिन का पुलिस रिमांड लिया था। रिमांड बुधवार को पूरा होने के बाद आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। जहां से आरोपियों को जेल भेज दिया गया।

तीन भाइयों में झगड़ा हुआ

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना इलाके में पारिवारिक व संपत्ति विवाद के चलते तीन भाइयों में झगड़े का मामला सामने आया है। मामले के अनुसार विवाद को लेकर परिवार के दो पक्ष आमने-सामने हो गये। मामले में दोनों पक्षों ने नान्ता थाने मे मामला दर्ज कराया है।

क्रेन की बैटरी चोरी कर कबाड़ी को 1600 रुपए में बेची

अजमेर, (निसं)। शहर में चोरी की घटनाओं के बीच घर के बाहर खड़ी हाइड्रो क्रेन से बैटरी चोरी होने का मामला सामने आया है। आरोप है कि चोर ने करीब 8 से 9 हजार रुपए कीमत की बैटरी को लाडपुरा रोड स्थित एक कबाड़ी के यहां महज 1600 रुपए में बेच दिया। पीड़ित ने अपने स्तर पर तलाश कर बैटरी का पता लगाया और उसे बरामद करवाया।

पीड़ित बन्ना सिंह रावत के अनुसार, उनकी श्रीराम क्रेन घर के बाहर खड़ी थी। इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति क्रेन में लगी बैटरी चोरी कर ले गया। बैटरी गायब होने का पता चलने पर उन्होंने अपने स्तर पर आसपास पूछताछ और जानकारी जुटाना शुरू किया। इस दौरान भुनाभाई गांव के सुनील उर्फ गोगा का नाम सामने आया। पीड़ित पक्ष का दावा है कि पूछताछ के दौरान युवक ने बैटरी चोरी करना स्वीकार कर लिया। इसके बाद लाडपुरा रोड स्थित एक कबाड़ी की दुकान पर बैटरी मिलने की जानकारी सामने आई। बताया गया कि चोरी की गई बैटरी कबाड़ी को 1600 रुपए में बेची गई थी, जबकि उसकी बाजार कीमत करीब 8 से 9 हजार रुपए है।

बन्ना सिंह रावत का कहना है कि उनकी क्रेन से पहले भी तीन से चार बैटरियां चोरी हो चुकी हैं। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने मामले से संबंधित सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्य सिविल लाइंस थाना पुलिस को सौंपे हैं। साथ ही ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज करवाई है।

डूंगरपुर के विकास मॉडल को देख न्यायाधिपति विनीत कुमार माथुर अभिभूत हुए

न्यायाधिपति माथुर ने क्षेत्र में हुए कार्यों का अवलोकन करने के बाद स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता के विजन और कार्यशैली की सराहना की

डूंगरपुर, (निसं)। स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार सात बार प्रदेश में अव्वल रह चुके डूंगरपुर शहर की बदलती तस्वीर ने राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधिपति विनीत कुमार माथुर को खासा प्रभावित किया। शहर में स्वच्छता के साथ खेल, शिक्षा, पर्यटन, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण और आधुनिक नागरिक सुविधाओं के क्षेत्र में हुए कार्यों का अवलोकन करने के बाद उन्होंने स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता के विजन और कार्यशैली की सराहना की। गैप सागर झील की पाल पर आधुनिक तकनीक से प्रस्तुत लेजर एवं ग्राफिक्स शो देखकर न्यायाधिपति माथुर ने कहा, "मुझे तो ऐसा लग रहा है कि मैं लंदन में बैठा हूं।" वहीं के.के. गुप्ता की सराहना करते हुए उनके मुंह से निकले शब्द "वाह गुप्ता जी वाह, आपने कमाल कर दिया" कार्यक्रम का खास आकर्षण रहे।



राज. हाईकोर्ट के न्यायाधिपति विनीत कुमार माथुर का डूंगरपुर पहुंचने पर के.के. गुप्ता ने स्वागत किया।

- गैप सागर झील की पाल पर आधुनिक तकनीक से प्रस्तुत लेजर एवं ग्राफिक्स शो देखकर न्यायाधिपति माथुर ने कहा, "मुझे तो ऐसा लग रहा है कि मैं लंदन में बैठा हूं"

जानकारी के अनुसार न्यायाधिपति विनीत कुमार माथुर ने वसुंधरा विहार में श्री राजसिंह डूंगरपुर स्पोर्ट्स जोन और नई सब्जी मंडी स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रतियोगी परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में महारावल हर्षवर्धन सिंह, स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर केके गुप्ता, नगर परिषद सभापति सुशीला गुप्ता, उपसभापति अनिल पटेल, नगर परिषद आयुक्त ललित सिंह देथा, भाजपा जिला महामंत्री पंकज जैन, पार्षदगण, अधिकारी और शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। स्पोर्ट्स जोन के लोकार्पण के दौरान महारावल हर्षवर्धन सिंह ने गेंदबाजी की, जबकि न्यायाधिपति माथुर ने बल्लेबाजी करते हुए शानदार चौका लगाया। आधुनिक खेल सुविधाओं का अवलोकन कर उन्होंने इसे युवाओं के लिए उपयोगी पहल बताया। इसके बाद वे प्रतियोगी परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र पहुंचे और पुस्तकालय सहित अध्ययन के लिए विकसित सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि यह केंद्र केवल एक भवन नहीं, बल्कि डूंगरपुर के युवाओं के सपनों और उम्मीदों का प्रतीक है। संसाधनों की कमी अब सफलता के रास्ते में बाधा नहीं बननी चाहिए।

न्यायाधिपति माथुर ने कहा कि डूंगरपुर को प्रकृति ने सुंदरता और ऐतिहासिक विरासत का अनमोल खजाना दिया है, लेकिन अब विकास के प्रयासों से शहर को नई पहचान मिल रही है। केके गुप्ता जिस विजन, ऊर्जा, निष्ठा और जुनून के साथ शहर के लिए काम कर रहे हैं, वह केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए उदाहरण है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी केके गुप्ता से बहुत कुछ सीखते हैं। शहर में स्थापित 28 आरओ के माध्यम से मात्र 10 रुपए में 20 लीटर पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की भी उन्होंने सराहना की। शहर भ्रमण के दौरान न्यायाधिपति माथुर ने गेम जोन में आधुनिक गेमिंग सुविधाएं देखीं। इसके बाद रिंग रोड से शहर की हरियाली और झीलों के नजारों का अवलोकन किया। बर्ड सेंचुरी पार्क में विभिन्न प्रजातियों के फूलों और उद्यानों की सुंदरता ने भी उनका ध्यान आकर्षित किया।

के.के. गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2015 से 2020 के दौरान नगर परिषद ने उन्नित सेवा संस्थान के माध्यम से 1335 महिलाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया। नगर परिषद सभापति सुशीला गुप्ता ने कहा कि शपथ ग्रहण के पहले दिन से ही नो पेंडेंसी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए शनिवार और रविवार को भी नगर परिषद में कामकाज जारी रखा गया।

पैर फिसलने से नहर में डूबने से युवक की मौत

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना इलाके की दायी मुख्य नहर में डूबने से 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई, जिसका शव घटना स्थल से डेढ़ किलोमीटर दूर बरामद हुआ।

जानकारी के अनुसार नान्ता इलाके में युवक अपनी पत्नी के साथ नहर में नहाने के लिये गया था। किनारे पर नहाते समय पैर फिसलने से नहर मे गिर गया और पानी का बहाव तेज होने से बह गया, मौके पर मौजूद पत्नी की चिल्लाने की आवाज सुनकर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई और नहर में युवक के डूबने की सूचना पुलिस व नगर निगम की गोताखोर टीम को दी गई। नहर में युवक के डूबने की सूचना पर पुलिस व नगर निगम की गोताखोर टीम मौके पर पहुंची और गोताखोर टीम ने काफी मशक्कत के बाद घटना से डेढ़ किलोमीटर दूर नहर में डूबे युवक के शव को बरामद किया। नान्ता थानाधिकारी महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि नान्ता इलाके के दांयी मुख्य नहर मे युवक के डूबने की सूचना मिली। सूचना पर नगर निगम गोताखोर टीम सहित एनडीआरएफ, एसडीआरएफ टीमें मौके पर पहुंची और नहर में डूबे युवक की तलाश के लिये रेस्क्यू अभियान चलाया गया। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में सामने आया कि नान्ता इलाके के पार्श्वनाथ सिटी निवासी राजेन्द्र उपाध्याय (40) अपनी पत्नी के साथ नहर पर नहाने के लिये गये थे, जहां पैर फिसलने से नहर मे गिर गये। रेस्क्यू टीम को घटना के डेढ़ किलोमीटर दूर राजेन्द्र उपाध्याय का शव बरामद हुआ, जिसे बाहर निकाला गया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

सीकर से दो महिलायें और एक युवती लापता

सीकर, (निसं)। सीकर में दो महिलाओं और एक युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। दोनों महिलाओं के पति और युवती के पिता ने पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार 32 साल की महिला के लापता होने के केस में उसके पति ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि नौ नवंबर की शाम करीब चार बजे उसकी पत्नी ने बच्चे को कमरे में छोड़ दिया और मार्केट में सामान लाने की बात कहकर घर से निकल गई। शाम 6:30 बजे तक जब वह वापस नहीं आई तो पति ने मोबाइल पर कॉल किया। लेकिन कोई भी कॉल रिसीव नहीं हुआ। इसके बाद पति ने आस-पड़ोस में काफी तलाश की लेकिन पत्नी का कुछ पता नहीं चल पाया।

वहीं सीकर में शादी के 14 साल बाद महिला के लापता होने का मामला सामने आया है। महिला के पति ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि 10 नवंबर को उनकी पत्नी घर से बिना बताए कहीं पर चली गई। जिसका अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है। पत्नी के पास करीब एक महीने पहले एक मोबाइल मिला था। फिलहाल इस मामले में भी पुलिस महिला की तलाश कर रही है। इसी प्रकार सीकर में 22 साल की युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में उसके पिता ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि 7 नवंबर को उनकी बेटी सुबह घर से सहेली के शादी समारोह में जाने की बात कहकर निकली थी। इसके बाद वहां पहुंचने पर कहा कि वह तो 9 नवंबर को वापस आएगी।